स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा वश्व वद्यालय, नांदेड
“ज्ञानतीर्थ” वष्णुपुरी, नांदेड

दूर शक्षा केंद्र

हिंदी पाठ्यक्रम
एम. ए. द् वतीय वर्ष

शै क्षक वर्ष २०१६ - १७ से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा वश्व वद्यालय, नांदेड
दूर शक्षा केंद्र

एम. ए. हिंदी प्रथम एवं द्वतीय वर्ष : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पाठ्यक्रम ०५ : हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य

पाठ्यक्रम ०६ : काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम ०७ : भाषा वज्ञान तथा हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम ०८ : हिंदी साहित्य : व वध वमर्श

दूर शक्षा केंद्र

एम. ए. द्वतीय वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

१. दूर शक्षा केंद्र के एम. ए. हिंदी द्वतीय वर्ष के इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे हिंदी नाट्य वधा, साहित्य का सैद्धांतिक ववेचन, भाषा वज्ञान तथा नए वमर्शों से छात्रों को परि चत कराना है ।
२. 'हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य' यह पाठ्यक्रम नाटक का अध्ययन एक कला के रूप में करने का संस्कार देता है| नाटक का लेखन से आरंभ होता है, रंगमंचपर अ भनय के माध्यमसे वह दृश्य रूप लेता है और प्रेक्षकों तक संप्रे षत होता है| नाटक की इस जटिल प्र क्रया से छात्र परि चत हो, नाटक की ओर वह कलात्मक दृष्टि से देखे तथा कलाकारों के प्रति सम्मान भाव रखे|
३. एम. ए. द्वतीय वर्ष के छात्रों को पाठ्यक्रम ०६ के माध्यमसे साहित्य के सैद्धांतिक रूप से परि चत होना है तथा समीक्षा की प्र क्रया से भी|
४. भाषा अपने गर्भ में संस्कृति एवं सभ्यता को लेकर चलती है । कसी भी युग एवं समाज का अध्ययन बिना भाषा के संभव नहीं है| वर्तमान समय में इस दृष्टि से भाषा का अध्ययन जरुरी

हुआ है| 'भाषा वज्ञान तथा हिंदी भाषा' इस पाठ्यक्रम के द्वारा भाषा वज्ञान तथा हिंदी भाषा से परि चत होना है|

५. वर्तमान युग उपे क्षतों का युग है| उपे क्षतों की अनुभूतियों से परि चत होकर इनकी ओर मानवीय दृष्टि से देखने की दृष्टि 'हिंदी साहित्य : व वध वमर्श' यह पाठ्यक्रम देता है| स्त्री, द लत, आदिवासी, अल्पसंख्यंकों के प्रति छात्रों में संवेदना निर्माण करने का काम निश्चित ही यह पाठ्यक्रम करेगा |

आपको अनेकानेक शुभकामनाएँ ------

एम. ए. हिंदी द् वतीय वर्ष

पाठ्यक्रम – **0** ५

हिंदी नाटक तथा कथेतर गद्य

खंड अ हिंदी नाटक

इकाई ०१ हिंदी नाटक एवं एकांकी : परिभाषा, स्वरूप तथा तत्व

१.१ नाटक : परिभाषा एवं स्वरूप

१.१. नाटक शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

१.२. नाटक के व वध रूप

१.३. रंगमंच का उद्भव एवं वकास

१.४. नाटक : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

१.२ नाटक के तत्व

१.२.१ कथानक या कथावस्तु

१.२.१ पात्र या चरित्र – चत्रण

१.२.३ देशकाल और वातावरण

१.२.४ सवांद एवं भाषाशैली

१.२.५ उद्देश्य

१.२.६. अ भनय

१.३ हिंदी एकांकी के तत्व

१.३.१ एकांकी का स्वरूप एवं परिभाषा

१.३.२. एकांकी के तत्व

१.३.२.१ कथावस्तु – (आरंभ – संघर्ष – चरम सीमा – कार्यांत – त्रयसंकलन)

१.३.२.२ पात्र या चरित्र- चत्रण

१.३.२.३ संवाद या कथोपकथन

१.३.२.४ अ भनय तथा रंगसंकेत

१.३.२.५ नाटक और एकांकी में साम्य - वैषम्य

इकाई ०२ नाटक : चंद्रगुप्त (प्रसाद) एवं लहरों के राजहंस (मोहन राकेश)

२.१ नाटक : चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

२.१.१ प्रस्तावना : प्रसाद के समग्र नाट्य साहित्य को ध्यान में रखकर

२.१.२ जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

२.१.३ चन्द्रगुप्त नाटक का समीक्षात्मक ववेचन : (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र सृष्टि, परिवेश रंगमंचीय सार्थकता)

२.१.४ चंद्रगुप्त नाटक में इतिहास एवं कल्पना

२.१.५ चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीय एकता के प्रयास तथा अ भव्यक्त सांस्कृतिक चेतना

२.१.६ तत्कालीन शक्षा व्यवस्था, गीत योजना

२.२ लहरों के राजहंस : मोहन राकेश

२.२.१ प्रस्तावना : समग्र नाट्य साहित्य को ध्यान में रखकर

२.२.२ मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

२.२.३ लहरों के राजहंस : नाटक का समीक्षात्मक ववेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश)

२.२.४ संघर्ष का स्वरूप एवं यथार्थ चत्रण

२.२.५ रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

२.३ प्रसाद एवं मोहन राकेश का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान

२.३.१ प्रसाद का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान

२.३.२ मोहन राकेश का हिंदी नाट्य साहित्य मे योगदान

इकाई ०३ नाटक : सूर्य की अंतिम करण से सूर्य क पहली करण तक – सुरेन्द्र वर्मा तथा जादू का कालीन – मृदुला गर्ग

३.१ सूर्य की अंतिम करण से सूर्य क पहली करण तक – सुरेन्द्र वर्मा

३.१.१ प्रस्तावना : सुरेन्द्र वर्मा के समग्र नाटकों को ध्यान में रखकर

३.१.२ सुरेन्द्र वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

३.१.3 सूर्य की अंतिम करण से सूर्य क पहली करण तक नाटक का समीक्षात्मक ववेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, भाषाशैली)

३.१.४ पठित नाटक के आधार पर स्त्री – पुरुष संबंधों की ओर देखने का नया दृष्टिकोण : ववेचन (स्त्री-पुरुष समानता मूल्य)

३.१.५ नाटक का रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

३.२ जादू का कालीन – मृदुला गर्ग

३.२.१ प्रस्तावना : महिला नाटककारो मे मृदुला गर्ग का योगदान

३.२.२ मृदुला गर्ग का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

३.२.३ जादू का कालीन नाटक का समीक्षात्मक ववेचन (मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, भाषाशैली)

३.२.४ जादू का कालीन नाटक में बाल मजदूरी की समस्याओं का स्वरूप

३.२.५ रंगमंचीय दृष्टि से मूल्यांकन

इकाई ०४ : एकांकी संग्रह (०६ एकां कयाँ)

४.१ एकां कयाँ : भारतेंदु एवं उपेन्द्रनाथ अश्क

१. भारतेंदु : अंधेर नगरी

२. उपेन्द्रनाथ अश्क – तौ लए

३. मूल्यांकन

४.२ एकां कयाँ : रामकुमार वर्मा, तथा वष्णु प्रभाकर

१. रामकुमार वर्मा – शवाजी

२ वष्णु प्रभाकर – प्रकाश और परछाई या 'मेरे प्रय एकांकी'संग्रह से कोई एक एकांकी

३. मूल्यांकन

४.३ एकां कयाँ : जगदीशचंद्र माथुर एवं लक्ष्मीनारायण लाल

१. जगदीशचंद्र माथुर – रीढ़ की हड्डी

२. लक्ष्मीनारायण लाल – मम्मी ठकुराइन

३. मूल्यांकन

नोट – उपर्युक्त एकां कयों का समीक्षात्मक ववेचन निम्न मुद्दों के आधारपर कया जाए : मूल संवेदना, कथावस्तु, पात्र, परिवेश, भाषाशैली, उद्देश्य तथा रंगमंचीय सार्थकता

खंड आ

कथेतर गद्य

इकाई ०५ कथेतर गद्य भाग ०१ : हिंदी निबंध

५.१ निबंध : परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं वकास

५.१.१ निबंध ; अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

५.१.२. निबंध के तत्व

* वैयक्तिकता
* स्वच्छन्दता एवं संगती
* वैचारिकता
* सं क्षप्तता
* भाषाशैली

५.१.३ निबंध के प्रकार

* भावात्मक / वचारात्मक / वर्णनात्मक
* आत्मपरक / ल लत / हास्य-व्यंग्यात्मक

५.१.४ निबंध : वकासक्रम

* भारतेंदु युग (उद्गम काल)
* द् ववेदी युग (उत्थान काल)
* शुक्ल युग (वकास काल)
* शुक्लोत्तर युग (प्रौढ़ युग)

५.२ निबंध संग्रह : तीन निबंध भाग १ – ' वश्वास', 'क्रोध' और 'कुटज'

५.२.१ वश्वास : प्रतापनारायण मश्र

५.२.२ क्रोध : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

५.२.३ कुटज : हजारीप्रसाद द् ववेदी

५.३ निबंध संग्रह : तीन निबंध, भाग २ – नारीयाल / हम बिहार में चुनाव लड़ रहें हैं / तुम कब जाओगे अति थ

५.३.१ नारीयल– वद्यानिवास मश्र

५.३.२ हम बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं – हरिशंकर परसाई

५.३.३ तुम कब जाओगे अति थ – शरद जोशी

नोट – प्रत्येक निबंध का वश्लेषण निम्न मुद्दों के आधारपर कया जाए

१. निबंधकार का जीवन परिचय
२. निबंधकार का साहित्यिक परिचय
३. निबंध वधा में निबंधकार का योगदान
४. पठित निबंध में अ भव्यक्त वचार
५. निबंध की भाषाशैली
६. निबंध का मूल्यांकन

इकाई ०६ कथेतर गद्य भाग ०२ : जीवनी तथा आत्मकथा साहित्य

६.१. जीवनी तथा आत्मकथा का सैद्धांतिक ववेचन

६.१.१ जीवनी : स्वरूप तत्व एवं हिंदी जीवनी साहित्य का परिचय

६.१.१.१ जीवनी : अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप

६.१.१.२ जीवनी : तत्व एवं प्रकार

६.१.१.३ जीवनी और आत्मकथा में अंतर

६.१.१.४ हिंदी जीवनी साहित्य वकासात्मक परिचय

६.१.२ आत्मकथा : परिभाषा स्वरूप एवं हिंदी आत्मकथा साहित्य

६.१.२.१ आत्मकथा : अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप

६.१.२.२ आत्मकथा : तत्व एवं प्रकार

६.१.२.३ हिंदी का आत्मकथा साहित्य का परिचय वकासात्मक परिचय

६.२ आवरा मसीहा: जीवनी

६.२.१ आवारा मसीहा :

* प्रस्तावना : वष्णु प्रभाकर के समग्र साहित्य को ध्यान में रखकर
* वष्णु प्रभाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
* आवारा मसीहा : समीक्षा
* आवारा मसीहा का जीवनी के रूप में मूल्यांकन

६. ४ रामप्रसाद बिस्मिल (आत्मकथा)

* प्रस्तावना : जेल में लखे गए हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में रामप्रसाद बिस्मिल के साहित्य का ववेचन
* रामप्रसाद बिस्मिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
* आत्मकथा में अ भव्यक्त तत्कालीन समाज : जीवन दृष्टि
* आत्मकथा के रूप में रामप्रसाद बिस्मिल का मूल्यांकन

इकाई ०७ कथेतर गद्य भाग ०३ : संस्मरण / रेखा चत्र / यात्रा वर्णन (संग्रह – प्रत्येक वभाग से ०२, कुल ०६ रचनाएँ)

७१ कथेतर गद्य भाग ०३ : संस्मरण

७१.१ संस्मरण : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी का संस्मरण साहित्य

७१.२ रचनाकार ०१ : फणीश्वरनाथ रेणु : जय पशुपतिनाथ (संस्मरण की दृष्टि से मूल्यांकन)

७१.३ रचनाकार ०२ : कन्हैलाल मश्र 'प्रभाकर' – दीप जले शंख बजे (संस्मरण की दृष्टि से मूल्यांकन)

७२ कथेतर गद्य भाग ०३ : रेखा चत्र

७२.१ रेखा चत्र : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी का रेखा चत्र साहित्य

७२.२ रचनाकार ०१ : रामवृक्ष बेनीपुरी : 'माटी की मूरतें' संग्रह से एक (रेखा चत्र की दृष्टि से मूल्यांकन)

७२.३ रचनाकार ०२ : महादेवी वर्मा : पथ के साथी से 'महाप्राण निराला (रेखा चत्र की दृष्टि से मूल्यांकन)

७३ कथेतर गद्य भाग ०३ : यात्रा वर्णन

७३.१ यात्रा वर्णन : स्वरूप, तत्व एवं हिंदी में यात्रा वर्णन साहित्य

७३.२ रचनाकार ०१ : अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद (०१ रचना)

७३.३ रचनाकार ०२ : मोहन राकेश : आखरी च ान

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल ल मटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. रंग दर्शन : ने मचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

३. हिंदी नाटक : उद्भव और वकास, राजपाल एंड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली – ६

४. रंगमंच के सद्धांत : सं महेश आनंद, देवेंद्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन प्रा. ल., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

५. आधुनिक भारतीय नाट्य- वमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

६. नाट्य चंतन : गरीश रस्तोगी

७ हिंदी नाटक : बच्चन संह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

८. रंग प्र क्रया के व वध आयाम : सं प्रेम संह, सुषमा आर्य, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

९. हिंदी की जीवनीपरक वधाएँ : शान्ति खन्ना

१०. हिंदी एकांकी : सद्धनाथकुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

११. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गो वंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१२. मोहन राकेश : रंग शल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१३. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१४. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१५. हिंदी नाटक के पाँच दशक : कुसुम खेमानी, नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं सत्येन्द्रकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल. ७३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

१६. तमस : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन प्रा. ल., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

१७. ऋणजल धनजल – फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन प्रा. ल., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२

१८. रामप्रसाद बिस्मिल : रामप्रसाद बिस्मिल, आर्य समाज मंदिर

एम. ए. हिंदी द् वतीय वर्ष

पाठ्यक्रम – **0 6** काव्यशास्त्र

खंड अ भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई ०१ : भारतीय काव्यशास्त्र भाग ०१ : (i) स्वरूप, सद्धांत एवं वकासक्रम, (ii) रस सद्धांत, (iii) अलंकार सद्धांत

१.१ भारतीय काव्यशास्त्र : (i) स्वरूप, सद्धांत, वकासक्रम

१.१.१ भारतीय काव्यशास्त्र : स्वरूप

१.१.२ भारतीय काव्यशास्त्र : वकासक्रम

१.१.३ भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत : सामान्य परिचय

१.१.४ हिंदी काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय

१.२ भारतीय काव्यशास्त्र : (ii) रस सद्धांत

१.२.१ रस शब्द का अर्थ, व्युत्पत्ति एवं स्वरूप

१.२.२ रस सूत्र की व्याख्या, रसांगों का परिचय तथा रस के प्रकार

१.२.३ रसनिष्पत्ति

१.२.४ साधारणीकरण

१.२.५ सहृदय की अवधारणा एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रस सद्धांत

१.३ भारतीय काव्यशास्त्र : (iii) अलंकार सद्धांत

१.३.१ अलंकार : परिभाषा एवं स्वरूप एवं व्याप्ति

१.३.२ अलंकार सद्धांत : आचार्य भामह, आचार्य दंडी, आचार्य उद्भट एवं आचार्य रुद्रट की मान्यताएँ

१.३.३ अलंकार और अलंकार्य में अंतर

१.३.४ अलंकार : वर्गीकरण एवं आधार

१.३.५ काव्य में अलंकारों का स्थान तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अलंकार

इकाई ०२ : भारतीय काव्यशास्त्र भाग ०२ : (i) रीति सद्धांत (ii) ध्वनि सद्धांत (iii) वक्रोक्ति सद्धांत

२.१ भारतीय काव्यशास्त्र : (i) रीति सद्धांत

२.१.१ रीति का स्वरूप एवं अवधारणा

२.१.२ रीति – वषयक व भन्न वद्वानों के वचार

२.१.३ रीति और गुण का संबंध

२.१.४ रीतियो का नामकरण एवं प्रमुख भेद

२.१.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रीति सद्धांत का महत्त्व

२.२ भारतीय काव्यशास्त्र : (ii) ध्वनि सद्धांत

२.२.१ ध्वनि की परिभाषा एवं स्वरूप

२.२.२ ध्वनि सद्धांत : आनंदवर्धन की मान्यताएँ

२.२.३ शब्दशक्ति ववेचन तथा ध्वनि का आधार स्फोट सद्धांत

२.२.४ ध्वनि के भेद

२.२.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ध्वनि का महत्त्व

२.३ भारतीय काव्यशास्त्र : (iii) वक्रोक्ति सद्धांत

२.३.१ वक्रोक्ति : परिभाषा एवं स्वरूप

२.३.२ वक्रोक्ति – वषयक आचार्य कुंतक तथा अन्य वद्वानों के वचार

२.३.३ वक्रोक्ति के भेद

२.३.४ काव्य में वक्रोक्ति की अनिवार्यता

२.३.५ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वक्रोक्ति सद्धांत का महत्त्व

खंड आ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र

इकाई ०३ : पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : स्वरूप, वकासक्रम एवं सद्धांत

३.१ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : स्वरूप, वकासक्रम एवं प्रमुख सद्धांत – सामान्य परिचय

३.१.१ प्राचीन युनानी काव्यशास्त्र : स्वरूप

३.१.२ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : वकासक्रम

३.१.३ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : प्रमुख सद्धांत – सामान्य परिचय

३.१.४ उपसंहार

३.२ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : प्लेटो के काव्य सद्धांत

३.२.१ प्लेटो का युग और काव्य संबंधी दृष्टिकोण

३.२.२ प्लेटो के काव्य सद्धांत

३.२.३ प्लेटो का अनुकरण सद्धांत

३.२.४ प्लेटो के वचारो का मूल्यांकन

३.३ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : अरस्तु के काव्य – वषयक वचार

३.३.१ अरस्तु के काव्य – वषयक वचार

३.३.२ अरस्तु का अनुकरण सद्धांत

३.३.३ त्रासदी के तत्व एवं वरेचन सद्धांत

३.३.४ प्लेटो और अरस्तू के वचारों की तुलना

३.३.५ मूल्यांकन

३.४ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०१ : लोंजाइनस के काव्य – वषयक वचार

३.४.१ लोंजाइनस : युगीन साहित्यिक पृष्ठभू म

३.४.२ भाषण कला एवं काव्यकला में साम्य एवं अंतर

३.४.३ लोंजाइनस का उदात सद्धांत : उदात्त का स्वरूप एवं व्याख्या

३.४.४ लोंजाइनस का उदात सद्धांत : तत्व

३.४.५ मूल्यांकन

इकाई ०४ : पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : कॉलरीज – कल्पना सद्धांत / टी. एस. इ लयट के काव्य– वषयक वचार / आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य– वषयक वचार

४.१ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : कॉलरीज – कल्पना सद्धांत

४.१.१ कॉलरीज – युगीन साहित्यिक पृष्ठभू म

४.१.२ कॉलरीज के काव्य – वषयक वचार

४.१.३ कॉलरीज का कल्पना सद्धांत

४.१.४ कॉलरीज के वचारों का मूल्यांकन

४.२ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : टी. एस. इ लयट के काव्य – वषयक वचार

४.२.१ टी. एस. इ लयट : युगीन साहित्यिक पृष्ठभू म

४.२.२ टी. एस. इ लयट : काव्य – वषयक वचार, परंपरा की अवधारणा और वैयक्तिक प्रज्ञा

४.२.३ टी. एस. इ लयट : निर्वैयक्तिकता का सद्धांत एवं वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का समीकरण

४.२.४ टी. एस. इ लयट के वचारों का मूल्यांकन

४.३ पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र भाग ०२ : आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य – वषयक वचार

४.३.१ आई. ए. रिचर्ड्स : युगीन साहित्यिक पृष्ठभू म

४.३.२ आई. ए. रिचर्ड्स : मनोवेगों का संतुलन, प्र क्रया

४.३.३ आई. ए. रिचर्ड्स : सम्प्रेषण सद्धांत

४.३.४ मूल्यांकन

खंड इ सद्धांत एवं वाद

इकाई ०५ : सद्धांत एवं वाद : सं क्षप्त परिचय – अ भजात्यवाद / स्वच्छंदतावाद / अस्तित्ववाद

५.१ अ भजात्यवाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.१.१ अ भजात्यवाद : उद्भव एवं वकास

५.१.२ अ भजात्यवाद : सद्धांत

५.१.३ अ भजात्यवाद : समीक्षा के निकष

५.१.४ मूल्यांकन

५.२ स्वच्छंदतावाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.२.१ स्वच्छंदतावाद : उद्भव एवं वकास

५.२.२ स्वच्छंदतावाद : सद्धांत

५.२.३ स्वच्छंदतावाद : समीक्षा के निकष

५.२.४ मूल्यांकन

५.३ अस्तित्ववाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

५.३.१ अस्तित्ववाद : उद्भव एवं वकास

५.३.२ अस्तित्ववाद : सद्धांत

५.३.३ अस्तित्ववाद : समीक्षा के निकष

५.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०६ : सद्धांत एवं वाद : सं क्षप्त परिचय – आधुनिकतावाद / वखंडनवाद / उत्तर आधुनिकतावाद

६.१ आधुनिकतवाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.१.१ आधुनिकतावाद : उद्भव एवं वकास

६.१.२ आधुनिकतावाद : सद्धांत

६.१.३ आधुनिकतावाद : समीक्षा के निकष

६.१.४ मूल्यांकन

६.२ वखंडनवाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.२.१ वखंडनवाद : उद्भव एवं वकास

६.२.२ वखंडनवाद : सद्धांत

६.२.३ वखंडनवाद : समीक्षा के निकष

६.२.४ मूल्यांकन

६.३ उत्तर आधुनिकतावाद : उद्भव- वकास, सद्धांत एवं समीक्षा के निकष

६.३.१ उत्तर आधुनिकतावाद : उद्भव एवं वकास

६.३.२ उत्तर आधुनिकतावाद वखंडनवाद : सद्धांत

६.३.३ उत्तर आधुनिकतावाद : समीक्षा के निकष

६.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०७ : व्यावहारिक समीक्षा

७१ चार क वताओं की समीक्षा देकर समीक्षा की प्र व ध सोदाहरण स्पष्ट करना

७२ समीक्षा की प्र क्रया : समस्याएं एवं समाधान (पठित क वताओं के आधारपर

७३ गृहकार्य : समीक्षा के लए नमूने

अ धक अध्ययन हेतु :

१. हिंदी आलोचकों का परिचय
२. महाराष्ट्र के हिंदी आलोचकों का परिचय

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. अपनी रुची के अनुसार साहित्य की कसी एक वधा की रचना का चयन कर उसकी समीक्षा करना
२. निरंतर इसी प्र क्रया का अभ्यास करना

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल ल मटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा : डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लि शंग हाउस, नई दिल्ली

३. रीतिकाव्य की भू मका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लि शंग हाउस, नई दिल्ली

४. रस सद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लि शंग हाउस, नई दिल्ली

५. काव्यशास्त्र : भगीरथ मश्र

६. भारतीय तथा पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र का सं क्षप्त ववेचन : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली ६

७ भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षतीज : राममूर्ति त्रिपाठी,

८. साहित्यशास्त्र : चंद्रभानु सोनवने

९. साहित्यशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, डॉ. नर संह प्रसाद दुबे

१०. भारतीय तथा पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१

११. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१२. पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१३. भारतीय एवं पाश्च्यात्य काव्य- सद्धांत : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१४. पाश्च्यात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, ए – ९५, सेक्टर – ५, नौएडा – २०१३०१
१५. भारतीय काव्यशास्त्र की भू मका : योगेंद्र प्रताप संह, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१६. पाश्च्यात्य काव्य चंतन : करुणाशंकर उपाध्याय
१७. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सद्धांत : ब्रह्मदेव मश्र, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
१८. हिंदी आलोचना शखरों का साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
१९. हिंदी आलोचना की बीसवी सदी : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल., ७३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
२०. हिंदी आलोचना की परंपरा : शवकुमार मश्र, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२१. समीक्षा के व वध आधार : सं रामजी तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग , इलाहाबाद – २११००१
२२. आलोचना के रचना पुरुष : नामवर संह, सं भारत यायावर, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२३. उत्तर आधुनिक साहित्यिक वमर्श – सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२४. देरिदा : वखंडन की सद्धांतिकी - सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

एम. ए. हिंदी द् वतीय वर्ष

पाठ्यक्रम – **07** भाषा वज्ञान तथा हिंदी भाषा

इकाई ०१ : भाषा वज्ञान : परिभाषा, स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ

१.१ भाषा वज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

१.१.१ भाषा वज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा

१.१.२ भाषा वज्ञान : स्वरूप

१.२ भाषा वज्ञान : अध्ययन की पद्धतियाँ

१.२.१ वर्णनात्मक भाषा वज्ञान

१.२.२ ऐतिहा सक भाषा वज्ञान

१.२.३ तुलनात्मक भाषा वज्ञान

१.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भाषा वज्ञान की उपयो गता

इकाई ०२ : स्वन वज्ञान तथा रूप वज्ञान

२.१ स्वन वज्ञान

२.१.१ स्वन वज्ञान का स्वरूप

२.१.२ वाग् अवयव एवं उनके कार्य

२.१.३ स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण

२.१.४ स्वन परिवर्तन ; कारण और दिशाएँ

२.१.५ स्वनिम वज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम वश्लेषण

२.२ रूप वज्ञान

२.२.१ रूप वज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ

२.२.२ शब्द औररूप, अर्थ तत्व एवं संबध तत्व

२.२.३. रूप परिवर्तन के कारण

२.२.४ रू पम वज्ञान का स्वरूप, रू पम की अवधारणा, रू पम के भेद

इकाई ०३ : वाक्य वज्ञान, अर्थ वज्ञान और प्रोक्ति वज्ञान

३.१ वाक्य वज्ञान

३.१.१ वाक्य वज्ञान अवधारणा और स्वरूप

३.१.२ वाक्य के भेद

३.१.३ वाक्य वश्लेषण

३.२ अर्थ वज्ञान

३.२.१ अर्थ वज्ञान का स्वरूप एवं महत्त्व

३.२.२ शब्द और अर्थ का संबंध तथा अर्थ बोध के साधन

३.२.३ अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण

३.३ प्रोक्ति वज्ञान

३.३.१ प्रोक्ति वज्ञान अवधारणा

३.३.२ प्रोक्ति वज्ञानं का स्वरूप एवं व्याप्ति

इकाई ०४ : भाषा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं वर्गीकरण

४.१ भाषा : अर्थ, परिभाषा एवं अ भलक्षण

४.१.१ भाषा : अर्थ एवं परिभाषा

४.१.२ भाषा के अ भलक्षण

४.२ भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

४.२.१ भाषा व्यवस्था

४.२.२ भाषा व्यवहार

४.३ भाषा संरचना और भा षक प्रकार्य

४.३.१ भाषा संरचना

४.३.२ भा षक प्रकार्य

इकाई ०५ : हिंदी की ऐतिहा सक पृष्ठभू म और भौगो लक वस्तार

५.१ हिंदी की ऐतिहा सक पृष्ठभू म

५.१.१ प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वशेषताएँ

५.१.२ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वशेषताएँ

५.१.3 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वशेषताएँ

५.२ हिंदी का भौगो लक वस्तार

५.२.१ पश्चिमी हिंदी तथा उसकी बो लयाँ

५.२.२ पूर्वी हिंदी तथा उसकी बो लयाँ

५.२.३ राजस्थानी हिंदी तथा उसकी बो लयाँ

५.२.४ बिहारी हिंदी तथा उसकी बो लयाँ

५.२.५ पहाडी हिंदी तथा उसकी बो लयाँ

इकाई ०६ : हिंदी का भा षक स्वरूप एवं उसके व वध रूप

६.१ हिंदी का भा षक स्वरूप

६.१.१ हिंदी वर्णमाला का परिचय

६.१.२ हिंदी की रूप रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, कारक

६.२ हिंदी के व वध रूप

६.२.१ बोली, वभाषा, भाषा

६.२.२ राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, वश्व भाषा

६.२.३ हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई ०७ : देवनागरी ल प एवं हिंदी में कंप्यूटर सु वधाएँ

७१ देवनागरी ल प

७१.१ देवनागरी ल प : उद्भव एवं वकास

७१.२ देवनागरी ल प : वशेषताएँ

७१.३ देवनागरी ल प : मानकीकरण

७२ हिंदी में कंप्यूटर सु वधाएँ

७२.१ कम्पुटर: आंतरिक संरचना तथा व भन्न इकाइया

७२.२ आँकड़ा संसाधन

७२.३ फांट प्रबंधन

७२.४ वश्व क जानकारी धुंदना

७२.५. ई- मेल आईडी पंजीकरण, ई-मेल करना व ध

७२.६ म शनी अनुवाद

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. भाषा वज्ञान – भोलानाथ तिवारी, कताब महल इलाहाबाद

२. हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी, कताब महल इलाहाबाद

३. भाषा वज्ञान सद्धांत और स्वरूप – जीतराम पाठक, अनुपम प्रकाशन , पटना

४. हिंदी : उद्भव, वकास और रूप – हरदेव बहारी, कताब महल इलाहाबाद

५. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा, हिदुस्तानी अकैडेमी, इलाहाबाद

६. हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी , कताब महल, इलाहाबाद

७ हिंदी भाषा चंतन – प्रो. दिलीप संह, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

८. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

९. मानक हिंदी – बृजमोहन, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१०. भाषा वमर्श : नव्य भाषा वैज्ञानिक सन्दर्भ श शभूषण सतांशु, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

११. सामान्य हिंदी व्याकरण और रचना – श्रीकृष्ण पाण्डेय , वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१२. भाषा एवं भाषा शक्षण – सं रमाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१३. भाषा शक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

१४. भाषा वज्ञान – डॉ. अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन औरंगाबाद

१५. भाषा वज्ञान और हिंदी भाषा – सुधाकर नलावडे, साहित्य रत्नालय, कानपुर

१६. भाषा और भा षकी – देवीशंकर द् ववेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल., ७३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२

१७ आधुनिक भाषा वज्ञान – डॉ. हनुमंत पाटील, प्रेम प्रकाशन , दिल्ली

१८. आधुनिक भाषा का सं क्षप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी, कताब महल , इलाहाबाद

१९. हिंदी भाषा उद्भव और वकास – उदयनारायण तिवारी,

२०. भाषा और समाज – डॉ. राम वलास शर्मा

२१. हिंदी भाषा संरचना के व वध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव,

२२. सरल भाषा वज्ञान – मनमोहन गौतम

२३. हिंदी भाषा के अध्येता – कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२४. हिंदी व वध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार , वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२५. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजम ण शर्मा, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२६. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रवीन्द्र श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२

२७. भूमंडलीकरण, निजीकरण व हिंदी - डॉ. मा णक मृगेश
२८. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२९. अद्यतन भाषा वज्ञान – श शभूषण सीतांशु, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
३०. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन

एम. ए. हिंदी द् वतीय वर्ष

पाठ्यक्रम – **0 8** हिंदी साहित्य : व वध वमर्श

इकाई ०१ : वमर्श : अवधारणा, स्वरूप, वकास क्रम एवं प्रमुख वमर्शों का परिचय

१.१ वमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

१.२ वमर्श : उद्भव एवं वकास

१.३ हिंदी साहित्य : प्रमुख वमर्श – सामान्य परिचय

* स्त्री वमर्श
* द लत वमर्श
* आदिवासी वमर्श
* अल्पसंख्यंक वमर्श

इकाई ०२ : स्त्री वमर्श : अवधारणा, स्वरूप, तथा प्रमुख वधाएँ

२.१ स्त्री वमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रमुख वैचारिक आधार

२.१.१ स्त्री वमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

२.१.२ स्त्री वमर्श : प्रमुख वैचारिक प्रवाह - सामान्य परिचय

२.१.३ स्त्री वमर्श की दृष्टि से स्त्री

२.२ हिंदी साहित्य में स्त्री वमर्श : प्रारंभ, वकास एवं इस साहित्य की वशेषताएँ

२.२.१ हिंदी साहित्य में स्त्री वमर्श : प्रारंभ एवं वकास

२.२.२ स्त्री वमर्श : साहित्य की वशेषताएँ

२.२.३ स्त्री वमर्श : समीक्षा के निकष

२.३ स्त्री वमर्श और हिंदी साहित्य : वकासात्मक अध्ययन

२.३.१ स्त्रियो का काव्य : वकासात्मक परिचय

२.३.२ स्त्रियो का कथा साहित्य : वकासात्मक परिचय

२.३.३ स्त्रियो क आत्मकथाएँ : वकासात्मक परिचय

२.४ स्त्री वमर्श : उपलब्धियां एवं सीमाएँ

इकाई ०३ : स्त्री वमर्श : रचना एवं रचनाकार

३.१ काव्य : सुधा अरोड़ा – कमसे कम एक दरवाज़ा (काव्य संकलन) काव्य संकलन से निम्न छह क वताएँ –

१. क्या इस लए होती है मांएं धरती से बड़ी
२. पीले पत्तों पर ओस की बूँदे
३. भरवां भंडी और करेले
४. कमसे कम एक दरवाज़ा
५. कंधे
६. सदियों के खलाफ़ तैयार हो रहा है एक मोर्चा

* उपर्युक्त क वताओं का समीक्षात्मक ववेचन –

३.१.१ सुधा अरोड़ा का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय

३.१.२ कमसे कम एक दरवाज़ा (काव्य संकलन) – मूल संवेदना

३.१.३ कमसे कम एक दरवाज़ा काव्य संकलन की उपर्युक्त छह क वताओं की स्त्री जीवन के अनुभवों

के आधारपर तथा स्त्रियों के प्रति बदली दृष्टि के आधारपर समीक्षा

३.१.४ मूल्यांकन

३.२ आत्मकथा : मैत्रेयी पुष्पा – गु ड़या भीतर गु ड़या

३.२.१ मैत्रेयी पुष्पा : जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय

३.२.२ गु ड़या भीतर गु ड़या – मूल संवेदना

३.२.३ गु ड़या भीतर गु ड़या में स्त्री जीवन के अनुभवों के आधारपर तथा स्त्रियों के प्रति बदली दृष्टि के

आधारपर समीक्षा

३.२.४ गु ड़या भीतर गु ड़या : आत्मकथा की दृष्टि से मूल्यांकन

३.३ कहानी : निम्न ०५ कहानियों का संकलन

१. मन्नू भंडारी – यही सच है

२. मालती जोशी – दंभ के घेरे

३. मेहरुन्निसा परवेझ – अम्मा

४. मृदुला गर्ग – बाँस फल

५. मंजुल भगत – अंतिम (लेखक अपनी रु चनुसार कहानियाँ ले सकता है, बशर्ते कहानी स्त्री जीवन के अनुभवों पर आधारित हो)

* इन कहानियों की समीक्षा निम्न बिंदुओं के आधारपर करनी है –

- कहानी ले खका का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- कहानी में चत्रित स्त्री जीवन के अनुभव
- स्त्रियों के प्रति बदलती दृष्टि तथा नई चेतना
- मूल्यांकन

इकाई ०४ : द लत वमर्श : अवधारणा, स्वरूप, वशेषताएँ तथा प्रमुख साहित्यकार

४.१ द लत वमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं प्रमुख वैचारिक आधार

४.१.१ द लत वमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

४.१.२ द लत वमर्श : सामान्य परिचय

४.१.३ द लत वमर्श का कला पक्ष

४.२ हिंदी साहित्य में द लत वमर्श : प्रारंभ, वकास एवं इस साहित्य की वशेषताएँ

४.२.१ हिंदी साहित्य में द लत वमर्श : प्रारंभ एवं वकास

४.२.२ हिंदी द लत साहित्य : वशेषताएँ

४.२.३ द लत वमर्श : समीक्षा के निकष

४.३ द लत वमर्श और हिंदी साहित्य : वकासात्मक अध्ययन

४.३.१ हिंदी द लत क वता : वकासात्मक परिचय

४.३.२ हिंदी द लत कथा साहित्य : वकासात्मक परिचय

४.३.३ हिंदी द लत आत्मकथा साहित्य : वकासात्मक परिचय

इकाई ०५ : द लत वमर्श : रचना एवं रचनाकार

५.१ नाटक : वीमा – रतनकुमार सांभरिया

५.१.१ प्रस्तावना – रतनकुमार सांभरिया के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर

५.१.२ रतनकुमार सांभरिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

५.१.३ वीमा : मूल संवेदना

५.१.४ वीमा : द लत चेतना को ध्यान में रखकर समीक्षात्मक ववेचन

५.१.५ मूल्यांकन

५.२ आत्मकथा : तिरस्कृत – सूरजपाल चौहान

५.२.१ प्रस्तावना : सूरजपाल चौहान के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर

५.२.२ सूरजपाल चौहान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

५.२.३ तिरस्कृत – मूल संवेदना

५.२.४ तिरस्कृत : द लत चेतना को ध्यान में रखकर समीक्षात्मक ववेचन

५.२.५ द लत आत्मकथा के रूप में समीक्षात्मक ववेचन

५.२.६ मूल्यांकन

५.३ कहानी संकलन - निम्न पाँच कहानीकारों की कहानियों का संकलन

१. ओमप्रकाश वाल्मिकी – घुसपैठिए

२. सत्यप्रकाश – बिरादरी भोज

३. जयप्रकाश कर्दम – नो बार

४. व पन बिहारी – अपनी सीमाएँ

५. रजतरानी मीनू – वे दिन

* इन कहानियों की समीक्षा निम्न बिंदुओं के आधारपर करनी है –

- रचनाकार का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- द लत जीवन अनुभव
- द लत चेतना में आए परिवर्तन
- मूल्यांकन

इकाई ०६ : आदिवासी वमर्श : अवधारणा, स्वरूप, वशेषताएँ तथा प्रमुख साहित्यकार

६.१ आदिवासी वमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

६.१.१ आदिवासी शब्द की व्याख्या एवं स्वरूप

६.१.२ आदिवासी जीवन की वशेषताएँ

६.१.३ आदिवासी जीवन की समस्याएँ

६.१.४ मूल्यांकन

६.२ हिंदी साहित्य में आदिवासी वमर्श

६.२.१ हिंदी कथा साहित्य में आदिवासी जीवन का चत्रण

६.२.२ हिंदी काव्य में आदिवासी जीवन का चत्रण

६.२.३ हिंदी साहित्य की अन्य वधाओं में आदिवासी जीवन का चत्रण

६.३ आदिवासी वमर्श : भा षक ववेचन

६.३.१ आदिवा सयों की भाषा का स्वरूप

६.३.२ आदिवा सयों की भाषा : वशेषताएँ

६.३.३ आदिवा सयों की भाषा : मूल्यांकन

इकाई ०७ : आदिवासी वमर्श : रचना एवं रचनाकार – उपन्यास / खंडकाव्य / क वताएँ

७१ उपन्यास : धार – संजीव

७१.१ प्रस्तावना : संजीव के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर

७१.२ संजीव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७१.३ धार : मूल संवेदना

७१.४ धार : आदिवासी जीवन का स्वरूप

७१.५ धार : आदिवा सयों की समस्याएँ

७१.६ मूल्यांकन

७२ खंडकाव्य : जय बिरसा – जियालाल आर्य

७२.१ प्रस्तावना : जियालाल आर्य के समग्र साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखकर

७२.२ जियालाल आर्य का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय

७२.३ जय बिरसा : मूल संवेदना, कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, उद्देश्य, भाषा शैली

७२.४ जय बिरसा – आदिवासी जीवन का स्वरूप एवं समस्याएँ

७२.५ मूल्यांकन

७३ क वताएँ : निम्न छह क वताओं का संकलन

१. निर्मला पुतुल – 'नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से दो क वताएँ

२. हरीराम मीना – 'रोया नहीं था यक्ष' से दो क वताएँ

३. वनोदकुमार शुक्ल – आदिवासी जीवन का चत्रण करनेवाली कोई भी दो क वताएँ

* उपर्युक्त क वताओं की निम्न बिंदुओं के आधारपर समीक्षा

- क वयों का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय
- इन क वताओं में आदिवासी जीवन का चत्रण
- इन क वताओं में आदिवासी संस्कृति
- इन क वताओं का भाषा की दृष्टि से ववेचन
- मूल्यांकन

अ धक अध्ययन हेतु :

१. उपे क्षतों के साहित्य से परि चत होने का प्रयत्न करे
२. स्त्रियों द्वारा ल खत उपन्यासों के आधारपर स्त्रियों की बदलती छ व को रेखां कत करने का प्रयास करे. जैसे कृष्णा सोबती – मत्रो मरजानी, सूरजमुखी अँधेरे के, उषा प्रयंवदा – रुकोगी नहीं रा धका, ना सरा शर्मा – ज़िंदा मुहावरे आदि
३. द लत साहित्य के अध्ययन द्वारा द लतों की पीड़ा समझने का प्रयास करे | जैसे – मोहनदास नै मशराय – मुक्तिपर्व, जयप्रकाश कर्दम – छप्पर, आदि
४. रामचरित मानस केवट प्रसंग के आधारपर आदिवासी जीवन के स्वरूप का अध्ययन
५. हिंदी उपन्यासों में आदिवासी जीवन के स्वरूप का अध्ययन – जैसे फणीश्वरनाथ रेणु – मैला आँचल, रांगेय राघव - कब तक पुकारू, मैत्रेयी पुष्पा - अल्मा कबूतरी, वीरेन्द्र जैन – डूब, पार आदि

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. अपने आसपास की स्त्रियों, द लतों एवं आदिवा सयों के जीवन को समझने की को शश करे तथा उनके गीतोंका संकलन करें|
२. इन गीतों का सांस्कृतिक एवं भा षक दृष्टि से ववेचन करें|
३. इन गीतों में आये नए शब्दों के संकलन का कार्य करें|
४. स्त्रियों, द लतों एवं आदिवा सयों की ओर मानवीय दृष्टि से देखें|

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. स्त्रियों की पराधीनता – जॉन स्टुअर्ट मल, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
२. स्त्री लेखन ; स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३. साहित्य की ज़मीन और स्त्री मन के उच्छ्वास – रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
५. स्त्री वमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
६. सुनो मा लक सुनो – मैत्रेयी पुष्पा, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
७. पतृसत्ता के नए रूप : स्त्री और भूमंडलीकरण – सं राजेन्द्र यादव, प्रभा खेतान, श्यामचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
८. आधी आबादी का संघर्ष – ममता जैतली, राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
९. एक औरत की नोटबुक - राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
१०. स्त्री अध्ययन की बुनियाद – प्र मला के. पी. , राजकमल प्रकाशन, १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११० ००२
११. मृदुला गर्ग के कथा साहित्य में नारी – रमा नवले, वकास प्रकाशन कानपूर
१२. स्त्री अस्मिता के प्रश्न – सुभाष सेतिया, कल्याणी शक्षा परिषद्, जटवाडा, दरियागंज नई दिल्ली
१३. भारतीय द लत आन्दोलन का इतिहास (चार खंड) – मोहनदास नै मशराय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल., ७३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
१४. द लत साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल., ७३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१५. द लत साहित्य : वेदना और वद्रोह – सं शरणकुमार लंबाले, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१६. द लत वमर्श की भू मका – कंवल भारती, अमन प्रकाशन, १०४ ए /८० c, रामबाग कानपूर
१७. द लत साहित्य समग्र परिदृश्य – सं डॉ. मनोहर भंडारे, स्वराज प्रकाशन, ४६४८/१,२१, अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली, ११०००२
१८. हिंदी का द लत आत्मकथा साहित्य – डॉ. संजय मुनेश्वर, चंद्रलोक प्रकाशन १३२, शवराम कृपा मयूर पार्क, वसंत वहार, कानपूर २०८०२

१९. द लत चेतना की कहानियाँ बदलती परिभाषाएँ - प्रो. राजम ण शर्मा, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२०. आदिवासी साहित्य यात्रा – रम णका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. ल., ७३१, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - ११०००२
२१. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – रम णका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, २१ ए, दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२२. आदिवासी साहित्य व वध आयाम – सं. रमेश संभाजी कुरे, मालती शंदे, प्रवीण शंदे, वकास प्रकाशन कानपुर
२३. वीमा – रतनकुमार सांभरिया, अना मका पब्लिशर्स एंड डस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) ल मटेड, ४६९७३, २१-ए, अंसारी रोड दरियागंज नई दिल्ली ११०००२
२४. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – वकास प्रकाशन कानपुर